|| आरती श्री शिवजी की ||

|| ॐ श्री गणेशाय नमः ||

ॐ जय शिव ओंकारा स्वामी हर शिव ओंकारा,
ब्रह्मा विष्णु सदाशिव अर्द्धांगी धारा ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

एकानन चतुरानन पंचानन राजे,
हंसासन गरूड़ासन वृषवाहन साजे ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

दो भुज चार चतुर्भुज दस भुज अति सोहे,
तीनो रूप निरखता त्रिभुवन जन मोहे ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

अक्षमाला बनमाला रूण्डमाला धारी,
चंदन मृगमद चंदा भाले शुभकारी ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

श्वेताम्बर पीताम्बर बाघाम्बर अंगे,
सनकादिक ब्रम्हादिक भूतादिक संगे ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

कर मध्ये कमण्डलु चक्र त्रिशूल धर्ता,
जगकरता जगहरता जगपालन कर्ता ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव जानत अविवेका,
प्रणवाक्षर के मध्ये यह तीनो एका ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

श्री त्रिगुणत्मक स्वामी जी की आरती जो कोइ नर गावे,
कहत शिवानन्द स्वामी मनवान्छित फल पावे ||
ॐ हर हर हर महादेव ||

ॐ जय शिव ओंकारा, स्वामी हर शिव ओंकारा,
स्वामी पार्वती का प्यारा, स्वामी पी के भंगप्याला,
स्वामी रहते मतवाला, जटा में गंग विराजे,
मस्तक पर चन्द्रमा साजे, ओढ़े मृगछाला |
ॐ हर हर हर महादेव ||

www.hanumanchalisalyric.com